'समस्याओ के निराकरण का प्रयास होना चाहिए'

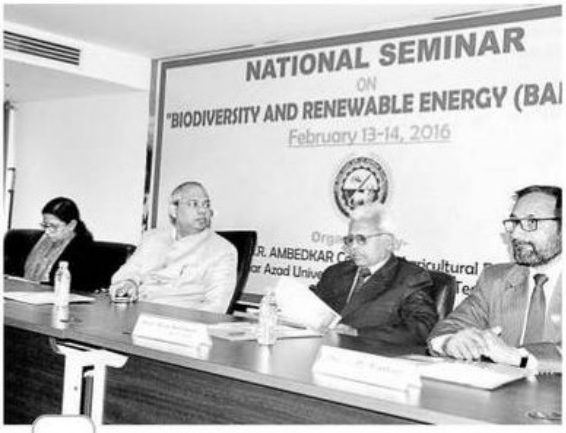

कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में सेमिनार के मौके पर उपस्थित कुलपति डा ओंकार सिंह एवं अन्य

सेमिनार में मौजूद छात्र छात्राएं

अमर उजाला ब्यूरो

कृषि महाविद्यालय में दो दिवसीय सेमिनार शुरू

इटावा। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय इटावा में जैवविविधता एवं वैकल्पिक ऊर्जा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शनिवार को प्रारंभ हुआ। सेमिनार का उद्घाटन मदन मोहन मालवीय तकनीकी विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति डा. ओंकार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में भारत सबसे युवा देश है। युवा आधुनिक तकनीकी का सबसे अधिक उपयोग कर रहे हैं। वे विकास की तरफ अधिक से अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचना चाह रहे है। परिणामतः वायुमंडल एवं समुद्र के तापमान में वृद्धि के साथ-साथ ग्लोबल वार्मिंग जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है। डा. सिंह ने एकेडमिक संस्थाओं एवं विद्वानों से अपेक्षा की कि भूमि/ बागवानी प्रबंधन, जल प्रबंधन, जल संरक्षण एवं जैव विविधता आदि के माध्यम से आम जनता में जागरूकता फैलाने का कार्य कर सकते है। डा. सिंह ने सेमिनार के विषय को अत्यन्त ही सामयिक बताया। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फैजाबाद के पूर्व कुलपति डा. राम किशोर ने डा. भीमराव अंबेडकर के योगदान की प्रशंसा करते हुए उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की। छात्र-छात्राओं से उनके विचारों एवं संघर्षों से प्रेरणा लेने की अपील की। प्रो. रामकिशोर ने सभी से अपील की कि हमें प्रकृति संरक्षी, सीमांत कृषक हितैषी एवं महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच रखना चाहिए। यदि ऐसा नहीं है तो हमें इस पर विचार करना चाहिए तभी सही अर्थों में विकास कर सकते हैं। समंवयक एवं निदेशक/वैकल्पिक ऊर्जा लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ प्रो. ऊषा बाजपेयी ने आहवान किया कि हमें जियो और जीने दो की अवधारणा के अनुरूप प्रकृति एवं विज्ञान को साथ लेकर चलना चाहिए। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे समस्याएं उठाने के बजाय समस्याओं के समाधान एवं निराकरण पर विचार करें। महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. जेपी यादव ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में जैव विविधता एवं वैकल्पिक ऊर्जा की आवश्यकता एवं महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। सेमीनार के सचिव डा एनके शर्मा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर प्रो हरिश्चंद्र सिंह, वीके वर्मा, डा. डी. सिंह, डा. राजीव सिंह, टीके महेश्वरी, पीकेएस भदौरिया, दिलीप कुमार वर्मा, डा. शौकीन सिंह, सुभाष चंद्र, बीएस चौहान, डा. आशीष कुमार, डा. अखिलेश कुमार, डा. प्रवीन अग्निहोत्री, जया परिहार, संतोष दुबे एवं महाविद्यालय स्टाफ के साथ बड़ी संख्या में छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे। प्रो ऊषा बाजपेयी, डा. एके पांडेय, डा. सतीश चंद्रा ने अपने-अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।